लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 16.2.2020 पृष्ठ सं: 6 कॉलम: 1.5

औद्योगिक कॉन्क्लेव- • 70 से अधिक प्रतिनिधि हुए शामिल, वीसी प्रो. केपी ने कहा-

अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय और उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। यह कॉन्क्लेव एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित की।

एचएयू में आयोजित कॉन्कलेव में उपस्थित सदस्य।

विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने विचार रखे और बताया कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे हैं। विवि ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन एचएयू के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आएं, क्योंकि पूर्व छात्र एचएयू के पाठ्यक्रम और उद्योग जगत, दोनों को समझते हैं। इसलिए वे इन दोनों के बीच बेहतर समीकरण स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं। विवि ने छात्रों की उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया तो उद्योग प्रतिनिधियों ने सकारात्मक रूख के साथ हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने छात्रों को स्वयं पर विश्वास करने और संवाद स्थापित करने की अपनी क्षमताओं को बेहतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस बात पर विचार किया कि किस प्रकार एचएयू व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं, जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्यकताओं और कार्य प्रणाली को समझेंगे तथा सक्षम बनेंगे। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय और उद्योग आपस में सहयोग करेंगे तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेंगे अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊंचाइयों को छूएगा। निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने जैसे विषयों पर मंथन किया गया। आपसी वार्ता से यह सामने आया कि कृषि जगत से जुड़े उद्योगों में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं तथा हमेशा रहेंगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 17.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

STUDENTS FOR EXCHANGE PROGRAMME

Hisar: Two students of Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (CCSHAU) - Kalpana Yadav (MSc first year, Vegetable Science) of Ramnagar village in Charkhi Dadri and Parneel of the BSc, Agriculture, of Siswal village in Hisar, got selected under the Tokyo NODAI special student exchange programme to obtain full time scholarship at Tokyo Agricultural University, Japan. Both students are selected under an MoU between CCSHAU, Hisar, and Tokyo University of Agriculture, Japan for co-operation in agricultural research and education. Vice-Chancellor Prof KP Singh congratulated the selected students for their bright future and also gave important tips regarding stay and study abroad.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ......हरि : भूमि......
दिनांक 16.2.2020 ...... पृष्ठ सं. 14 ...... कॉलम 6-8

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर : सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ कॉन्क्लेव में पहुंचे 40 से अधिक उद्योगों के प्रतिनिधि

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में संपन्न हुई। इस कॉन्क्लेव का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किया गया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आये हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखें और बताया कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन हकृवि के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आए क्योंकि पूर्व छात्र हकृवि के पाठ्यक्रम तथा उद्योग जगत, दोनों को समझते हैं। कुलपति ने छात्रों की उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया तो उद्योग प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक रूख के साथ हाथ आगे बढ़ाया।

इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार हकृवि व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्कताओं और कार्य प्रणाली को समझेगें तथा सक्षम बनेगें। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय तथा उद्योग आपस में सहयोग करेगें तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेगें अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊँचाईयों को छूयेगा। इस अवसर पर छात्रों ने भी उद्योग से जुड़ी अपनी शंकाओं और विचारों को सांझा किया।

निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया। आपसी वार्ता से यह सामने आया कि कृषि जगत से जुडें उद्योगों में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं तथा हमेशा रहेगीं। कृषि उद्योगों को स्वरोजगार के रूप में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. आरके झोरड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी, अमर उजाला
दिनांक 16. 2. 2020 पृष्ठ सं. 2, 6 कॉलम 4-5, 1-2

कॉन्क्लेव में मौजूद प्रतिनिधि।

हिसार, 15 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। कॉन्क्लेव का आयोजन एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी. प्रोजैक्ट के अन्तर्गत किया गया था।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विदेशी विश्वविद्यालयों से आए हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखें और बताया कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे है। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। छात्रों ने भी उद्योग से जुड़ी अपनी शंकाओं और विचारों को सांझा किया। निदेशक अनुसंधान, डा. एस.के. सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया।

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर : प्रो. सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में शनिवार को संपन्न हुई। इस कॉन्क्लेव का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आए हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। कुलपति ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन हकृवि के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आएं। इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार हकृवि व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं, जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्यकताओं और कार्य प्रणाली को समझकर सक्षम बन सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया। समापन पर डॉ. आरके झोरड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक ...16.2.2020... पृष्ठ सं. ...14... कॉलम ...5-6...

उद्योग जगत और एचएयू में तालमेल जरूरी : प्रो . केपी सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आए हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे हैं। कुलपति ने कहा कि पूर्व छात्र हकृवि के पाठ्यक्रम तथा उद्योग जगत, दोनों को समझते है। अतः वे इन दोनों के बीच बेहतर समीकरण स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं।

अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का तैयार कर सकते हैं रास्ता

इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार एचएयू व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं, जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्यकताओं और कार्य प्रणाली को समझेंगे तथा सक्षम बनेंगे। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय तथा उद्योग आपस में सहयोग करेंगे तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेंगे अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊंचाइयों को छू पाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम ....पाठक पक्ष....

दिनांक ..16.2.2020.. पृष्ठ सं. ...5... कॉलम ...1-3...

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर – प्रो. सिंह

हिसार, 16 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। इस कॉन्क्लेव का आयोजन एनएएचईपी–आईडीपी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आये हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखें और बताया कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे है। कुलपति ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन हकृवि के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आए क्योंकि पूर्व छात्र हकृवि के पाठ्यक्रम तथा उद्योग जगत, दोनों को समझते है, अतः वे इन दोनों के बीच बेहतर समीकरण स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं। कुलपति ने छात्रों की उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया तो उद्योग प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक रूख के साथ हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने छात्रों को स्वयं पर विश्वास करने तथा संवाद स्थापित करने की अपनी क्षमताओं को बेहतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार हकृवि व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्यकताओं और कार्य प्रणाली को समझेगें तथा सक्षम बनेगें। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय तथा उद्योग आपस में सहयोग करेंगें तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेगें अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊँचाईयों को छूयेगा। इस अवसर पर छात्रों ने भी उद्योग से जुड़ी अपनी शंकाओं और विचारों को सांझा किया। निदेशक अनुसंधान, डॉ एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र–छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया। आपसी वार्ता से यह सामने आया कि कृषि जगत से जुड़ें उद्योगों में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं तथा हमेशा रहेगीं। कृषि उद्योगों को स्वरोजगार के रूप में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. आरके झोरड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक ...15.2.2020... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...5-8...

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर : प्रो. सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। इस कॉन्क्लेव का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्क्लेव में 70 से अधिक उद्योगों से आए हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित विदेशी विश्वविद्यालयों से आए हुए वैज्ञानिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उनके विश्वविद्यालयों में उद्योगों के साथ समायोजित रूप से रिसर्च कार्य चल रहे हैं। कुलपति ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन हकृवि के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आए क्योंकि पूर्व छात्र हकृवि के पाठ्यक्रम तथा उद्योग जगत, दोनों को समझते हैं, अतः वे इन दोनों के बीच बेहतर समीकरण स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं।

कुलपति ने छात्रों की उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया तो उद्योग प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक रूख के साथ हाथ आगे बढ़ाया। उन्होनें छात्रों को स्वयं पर विश्वास करने तथा संवाद स्थापित करने की अपनी क्षमताओं को बेहतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार हकृवि व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्कताओं और कार्य प्रणाली को समझेगें तथा सक्षम बनेंगे। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नही टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय तथा उद्योग आपस में सहयोग करेंगें तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेगें अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊँचाईयों को छूयेगा। इस अवसर पर छात्रों ने भी उद्योग से जुड़ी अपनी शंकाओं और विचारों को सांझा किया।

निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया। आपसी वार्ता से यह सामने आया कि कृषि जगत से जुड़े उद्योगों में रोजगार की अनेक संभावनाएं है तथा हमेशा रहेगीं। कृषि उद्योगों को स्वरोजगार के रूप में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. आरके झोरड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 15.2.2020 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 6-8

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेगें रोजगार के नए अवसर: प्रो. सिंह

हिसार/15 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय औद्योगिक कॉन्क्लेव विश्वविद्यालय तथा उद्योगों के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव के रूप में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कुलपति डॉ. केपी सिंह ने विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर आसीन हकृवि के पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे आगे आएं। क्योंकि पूर्व छात्र हकृवि के पाठ्यक्रम तथा उद्योग जगत, दोनों को समझते हैं। अत: वे इन दोनों के बीच बेहतर समीकरण स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं। कुलपति ने छात्रों की उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया तो उद्योग प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक रूख के साथ हाथ आगे बढ़ाया। उन्होनें छात्रों को स्वयं पर विश्वास करने तथा संवाद स्थापित करने की अपनी क्षमताओं को बेहतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस बात पर विचार किया गया कि किस प्रकार हकृवि व उद्योग मिलकर अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं जिससे डिग्री पूर्ण होने से पहले ही छात्र उद्योग जगत की आवश्कताओं और कार्य प्रणाली को समझेंगे तथा सक्षम बनेंगे। सभी प्रतिनिधि इस बात पर एकमत थे कि नवाचार तथा अन्वेषण के बिना कोई भी उद्योग बाजार में अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि विश्वविद्यालय तथा उद्योग आपस में सहयोग करेंगे तो न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। अपितु विश्व में भारत सफलता की नई ऊंचाईयों को छूएगा। इस अवसर पर छात्रों ने भी उद्योग से जुड़ी अपनी शंकाओं और विचारों को सांझा किया। निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं की उद्यमशीलता को बढ़ाने, स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार के बेहतर अवसर उत्पन्न करने आदि विषयों पर मंथन किया गया। आपसी वार्ता से यह सामने आया कि कृषि जगत से जुड़े उद्योगों में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं तथा हमेशा रहेगीं। कृषि उद्योगों को स्वरोजगार के रूप में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक..16.2.2020.... पृष्ठ सं.....6..... कॉलम.....1-2.....

एचएयू में आयोजित रेड क्रॉस कैंप में विजेता टीम।

प्रियंका सर्वश्रेष्ठ युवा समन्वयक और वाद-विवाद में आर्यन विनर

एचएयू में हुए कार्यक्रम में बच्चों ने लिया भाग

भास्कर न्यूज | हिसार.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व रेडक्रॉस सोसायटी के सयुंक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया रहे और विशिष्ट अतिथि के तौर पर एचएयू के पूर्व छात्र एवं सड़क सुरक्षा अभियान से जुड़े हरियाणा पुलिस में सहायक निदेशक क्राइम सीन के पद पर कार्यरत डॉ. अजय भड़ उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 महाविद्यालयों के 95 छात्र-छात्राओं व यूथ रेडक्रॉस प्रभारियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ टीम, छात्रा प्रियंका को सर्वश्रेष्ठ युवा समन्वयक व आर्यन को वाद-विवाद में प्रथम घोषित किया गया।

कृषि कॉलेज हिसार के रेडक्रॉस सोसायटी काउंसलर व समन्वयक डॉ. चंद्र शेखर डागर ने सभी विजेताओं को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। रेडक्रॉस सोसायटी हिसार के सचिव रविंदर लोहान ने इस प्रशिक्षण के आयोजन में सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला, दैनिक जागरण....

दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...1-2...

कृषि महाविद्यालय की टीम बनी सर्वश्रेष्ठ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया थे और विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा पुलिस में सहायक निदेशक क्राइम सीन के पद पर कार्यरत डॉ. अजय भड़ उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 महाविद्यालयों के 95 विद्यार्थियों व यूथ रेडक्रॉस प्रभारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ टीम, छात्रा कुमारी प्रियंका को सर्वश्रेष्ठ युवा समन्वयक व आर्यन को वाद-विवाद में प्रथम घोषित किया गया। कृषि महाविद्यालय के रेडक्रॉस सोसायटी काउंसलर व समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय की टीम विजेता

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) व रेडक्रॉस सोसाइटी के सयुंक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया रहे। प्रतियोगिताओं में कृषि महाविद्यालय की टीम को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ टीम, छात्रा कुमारी प्रियंका को सर्वश्रेष्ठ युवा समन्वयक व आर्यन को वाद विवाद में प्रथम घोषित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......
दिनांक..16. 2. 2020.... पृष्ठ सं....4..... कॉलम....1-4....

ह.कृ.वि. का राष्ट्रीय महिला दिवस व कृषक महिला जागरूकता कार्यक्रम

'महिलाएं घूंघट को छोड़कर संस्कारों को अपनाए'

सीसवाल में महिलाओं को सम्मानित करते ज्योति बैंदा, घीसराम जैन, प्रदीप बैनीवाल व अन्य एवं हरियाणवी नृत्य पेश करती छात्राएं। *(गोयल)*

मंडी आदमपुर, 15 फरवरी (गोयल): गांव सीसवाल में हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्राओं व जम्भ शक्ति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत सीसवाल के सहयोग से ग्रामीण कृषक कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में बाल संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा ने शिरकत की। बैंदा ने कहा कि सीसवाल गांव का लिंगानुपात प्रदेश में अव्वल हैं। आज महिलाएं घूंघट को छोड़कर संस्कारों को अपनाए। बेटियां डाक्टर या इंजीनियर बने या ना बने लेकिन रानी लक्ष्मी बाई व जीजा बाई की तरह बन कर दिखाए। इस दौरान छात्राओं व ग्रामीणों द्वारा बनाए गए सामान व व्यंजन की प्रदर्शनी लगाई गई।

श्री सतगुरु विद्या पीठ व महाविद्यालय की छात्राओं ने गीत, नाटक, नृत्य पेश कर मन मोह लिया। अधिष्ठता डा. विमला ढांडा ने बताया कि इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की 90 छात्राओं द्वारा सीसवाल के 300 परिवारों को घरेलू तकनीकी ज्ञान के बारे में अवगत कराया गया और उनको स्वयं का रोजगार शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभाएं हुईं सम्मानित

कार्यक्रम पर्वतारोही रोहताश खिलेरी, घीसाराम जैन, प्रदीप बैनीवाल, सरपंच घीसाराम, पूर्व सरपंच पृथ्वी सिंह बैनीवाल, मनोहर यादव, महेंद्र सिंह, दलीप बैनीवाल, खेरू कोच, विकास गोदारा, अशोक जौहर, विष्णु मांजू, कृष्ण मोहब्बतपुर, डा.पवन कुमार, शैलजा, राजबाला, पार्वती गोदारा, प्रीति, कौशल्या, कलावती, सुशीला, हिमानी, राजेश हिंदुस्तानी, संदीप कुमार, ओमप्रकाश, बिंद्र, ज्योति, कुलदीप यादव, सुरेश भाद्दू, अनिल कुमार आदि को सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 16. 2. 2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 3-5

छात्राओं व ग्रामीणों ने सामान व व्यंजन की प्रदर्शनी लगाई, सम्मानित भी किया

हकृवि के राष्ट्रीय महिला दिवस पर ज्योति बैंदा ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज़ | मंडी आदमपुर सिटी

सीसवाल में महिलाओं को सम्मानित करती ज्योति बैंदा व अन्य।

गांव सीसवाल में हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्राओं व जम्भ शक्ति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण कृषक कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाल संरक्षण अधिकार आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा ने शिरकत की। बैंदा ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है, लेकिन गिरते लिंगानुपात के चलते रिश्ते, त्योहार धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। आज महिलाएं घुंघट को छोड़कर संस्कारों को अपनाएं। बेटियां डॉक्टर या इंजीनियर बनें या ना बनें लेकिन रानी लक्ष्मीबाई और जीजा बाई की तरह बन कर दिखाए। इस दौरान छात्राओं व ग्रामीणों द्वारा बनाए गए सामान व व्यंजन की प्रदर्शनी लगाई गई। श्री सतगुरु विद्या पीठ व महाविद्यालय की छात्राओं ने गीत, नाटक, नृत्य पेश कर मन मोह लिया। अधिष्ठता डॉ. विमला ढांडा ने बताया कि इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय की 90 छात्राओं द्वारा सीसवाल के 300 परिवारों को घरेलू तकनीकी ज्ञान के बारे में अवगत कराया गया और उनको स्वयं का रोजगार शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 17.2.2020 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

अब कनाडा के साथ ड्यूल डिग्री कोर्स शुरू करेगा हकृवि

वैभव शर्मा • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) राज्य और देश में नाम बनाने के बाद वैश्विक स्तर पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। अभी हाल में ऑस्ट्रेलिया के साथ विवि ने डुअल डिग्री कोर्स शुरू किया था। अब नया अनुबंध कनाडियन कृषि विश्वविद्यालय से किया जा रहा है। इस अनुबंध के तहत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर विभिन्न स्नातक व परास्नातक कोर्सों में डुअल डिग्री कोर्स शुरू करेंगे। ऐसे में कनाडा के विद्यार्थी एचएयू तो एचएयू के विद्यार्थियों को कनाडा में रहकर पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय इस कोशिश में है कि वह मैनेजमेंट, फूड साइंस, एग्रीकल्चर और साइंस के कोर्सों में डुअल डिग्री कोर्स शुरू करा सके। इसके साथ ही एग्रीकल्चर बिजनेस से जुड़े कोर्स को भी विशेष तौर पर शामिल किया गया है। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू हो चुका है। अब आगे शर्तें आदि निर्धारित करने के लिए एग्रीमेंट भेजा गया है। जल्द ही यह प्रोग्राम शुरू कर दिया जाएगा।

डुअल डिग्री कोर्स से मिल रही नई दिशा : पहले एचएयू में रूटीन पढ़ाई पर जोर दिया जाता था। मगर अब छात्रों और वैज्ञानिकों के बीच में कार्य करने की दिशा में बदलाव हुआ है। अब छात्र विदेशों में पढ़ाई करने के लिए पात्रता को पूर कर रहे हैं तो वैज्ञानिक नए-नए समन्वय स्थापित कर ज्वाइंट प्रोजेक्ट बना रहे हैं।

डेनमार्क और स्विट्जरलैंड के साथ बॉयो फ्यूल पर काम

एचएयू ने डेनमार्क और स्विट्जरलैंड के साथ भी काम करना शुरू किया है। इसके तहत दोनों देशों के एग्रीकल्चर शिक्षण संस्थानों व कंपनियों के साथ बॉयो फ्यूल पर ज्वाइंट प्रोजेक्ट बनाकर जमा किया जा रहा है। इसमें बॉयो फ्यूल पर शोध और उपयोगी बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। हालत यह है कि विश्वविद्यालय में विदेशी शिक्षण संस्थानों के समन्वय के लिए सभी वैज्ञानिकों के लिए रास्ते खोल दिए हैं। यहां के वैज्ञानिक वहां विजिट पर जा रहे हैं तो वहां से एक्सपर्ट एचएयू में आ रहे हैं। अभी मौजूदा समय में पांच देशों के वैज्ञानिक एचएयू कैंपस में विजिट के लिए आए हैं।

कनाडियन कृषि विश्वविद्यालय के साथ हम डुअल डिग्री कोर्स शुरू करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एग्रीमेंट पर प्रोसेस चल रहा है। वहीं डेनमार्क और स्विट्जरलैंड के साथ बॉयो फ्यूल सहित अन्य मसलों पर ज्वाइंट प्रोजेक्ट कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि आने वाले समय में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अधिक से अधिक छात्र विदेशों में पढ़ने जा सकें।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू।